Lecture-1

Topic-Characteristics of Fascism

Degree-III(H) Paper-8D

Date-30-4-2021

By Rahul Kumar Jha
Dept.of Pol.sci.

फासीवाद :-

फासीवाद एक क्रमबद्ध सुव्यवस्थित विचारधारा नहीं है। यह आवश्यकतानुसार ग्रहण किए गए फासीवादी सिद्धांतों का समूह है। फासीवाद का प्रतिपादन किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं किया गया है। इसमें समय-समय पर फासीवादी विचारधारा रखने वाले व्यक्तियों ने कुछ-न-कुछ नया जोड़ा है। इस आधार पर इस विचारधारा की प्रमुख विशेषताएँ है -

(i) सर्वसत्तावादी तथा सर्वाधिकारवादी राज्य का समर्थक :- फासीवादी राज्य को एक आध्यात्मिक व नैतिक सत्ता मानकर उसकी पूजा करते है। उनकी दृष्टि में राज्य ही भगवान है। मुसोलिनी

का कहना है. "फासीवाद एक नैतिक धारणा है जिसके अंतर्गत मनुष्य को एक श्रेष्ठतर विधान अथवा वस्तुपरक इच्छा के साथ आंतरिक रूप से जुड़ा हुआ है। इसकी इच्छा में व्यक्ति की इच्छा भी विलीन है। वह उसे एक आध्यात्मिक समाज के सचेतन सदस्य को स्थिति प्रदान करती है। इस दृष्टि से व्यक्ति राज्य के अधीन है और राज्य साध्य व व्यक्ति उसका एक साधन है।

इसके अनुसार व्यक्ति की स्वतंत्रता का औचित्य राज्य के कर्तव्यों के पालन करने तब ही सीमित है। राज्य से बाहर व्यक्ति के कोई अधिकार नहीं है। फासीवादी नेता अधिकारों की अपेक्षा कर्तव्यों पर अधिक बल देते है ताकि उनकी निरंकुशता कायम रह सके। फासीवादियों का विश्वास है कि जनसाधारण में न तो स्वशासन की योग्यता होती है और न ही वे राज्य के क्रियाकलापों में सक्रिय भागीदारी चाहते हैं।

फासीवाद व्यक्तिवाद का विरोध करके सर्वाधिकारवादी राज्य का समर्थन करता है। फासीवादी लोकतंत्र के स्थान पर गुणों को महत्व देकर एक नेता की अधिनायकता में विश्वास करता है। फासीवादियों के अनुसार मानवीय या आध्यात्मिक मूल्यों रखने वाली वस्तु का राष्ट्र हित के सामने कोई महत्व नहीं है, इसलिए वह व्यक्ति की सम्पूर्ण गतिविधियों पर राज्य रूपी संस्था का कठोर नियंत्रण का समर्थक है।

मुसोलिनी ने कहा है- राष्ट्र एक स्वावलम्बी इकाई है। इसलिए राष्ट्र के सम्पूर्ण साधन राज्य की गौरवपूर्ण बातों के लिए प्रयुक्त होने चाहिए और व्यक्ति के मस्तिष्क में राष्ट्र की अभिवृद्धि का ही प्रधान विचार होना चाहिए। मुसोलिनी ने इटली और हिटलर ने जर्मनी में सर्वसत्ताधिकारवादी राज्य की स्थापना करके वहां की समस्त जनता की गतिविधियों को अपने हाथों में लेकर राष्ट्र के प्रति असीम श्रद्धा का परिचय दिया।

CHAPTER CONTINUES.....